Ew – सरसों के बीज का दृष्टान्त मत्ती १३:३१-३२ और मरकुस
४:३०-३२ | 1

– Save This Page as a PDF–

सरसों के बीज का दृष्टान्त

मत्ती १३:३१-३२ और मरकुस ४:३०-३२

खोदाई: इस वृद्धि में असामान्य क्या है? आज कौन से धार्मिक आंदोलन, संप्रदाय या संप्रदाय पक्षियों का प्रतिनिधित्व करते हैं? क्या अधिकांश बच गए हैं? क्यों या क्यों नहीं? अदृश्य सार्वभौमिक चर्च क्या है? क्या सभी बच गए? हम कैसे जानते हैं? हमने अब तक जो दृष्टान्त देखे हैं वे विचार के मूल प्रवाह में कैसे विकसित होते हैं?

चिंतन: दृश्य चर्च और अदृश्य सार्वभौमिक चर्च के बीच अंतर जानना क्यों महत्वपूर्ण है? क्या आप यह मान सकते हैं कि सिर्फ इसलिए कि कोई आपके चर्च या मसीहाई आराधनालय में जा रहा है कि वह आस्तिक है? सिर्फ इसलिए कि आप गैरेज में बैठते हैं, क्या इससे जरूरी है कि आप कार बन जाएं?

राई के बीज के दृष्टान्त का एक मुख्य बिन्दु
वह यह है कि दृश्यमान चर्च असामान्य रूप से बढ़ेगा।

दूसरा दोहा सरसों के बीज (बाहरी) और ख़मीर (आंतरिक) के दृष्टान्तों से बना है, जहाँ हम दृश्यमान कलीसिया के भ्रष्टाचार को देखते हैं। क्योंकि प्रेरितों को पृथ्वी के छोर तक राज्य के संदेश का प्रचार करने के लिए नियुक्त किया जाएगा (मत्ती २८:१९-२०), उनके लिए यह महसूस करना आसान होगा कि फसल उनके प्रयासों पर निर्भर करती है। फ़सल का प्रभु यह स्पष्ट करना चाहता था कि यद्यपि दृश्यमान कलीसिया जबरदस्त रूप से विकसित होगा, झूठे सिद्धांत इश्वर की सभाओं में प्रवेश करेंगे। एक संकीर्ण द्वार है जो जीवन की ओर ले जाता है, और एक चौड़ा द्वार है जो विनाश की ओर ले जाता है (लिंक देखने के लिए Dw – संकीर्ण और चौड़े द्वार पर क्लिक करें)। लेकिन उन्हें आश्चर्यचकित या निराश नहीं होना चाहिए क्योंकि यीशु ने उन्हें पहले ही चेतावनी दे दी थी।

अगले दो दृष्टांत एक ही विषय से संबंधित हैं, और इसका संबंध दृश्यमान चर्च से है। इस प्रकार, हमें दृश्य कलीसिया और अदृश्य सार्वभौमिक कलीसिया के बीच अंतर की जांच करने की आवश्यकता है। दृश्यमान कलीसिया में एक झूठी धार्मिक व्यवस्था लागू की जाएगी और इसके परिणामस्वरूप कलीसिया सिद्धांत भ्रष्ट हो जाएगा। यह “ईसाईजगत” (बैपटिस्ट, कैथोलिक, मेथोडिस्ट, लूथरन, पेंटेकोस्टल, प्रेस्बिटेरियन, प्रोटेस्टेंट, सेवन-डे एडवेंटिस्ट और मॉर्मन) की एक तस्वीर है जिसे हम अपनी

Ew – सरसों के बीज का दृष्टान्त मत्ती १३:३१-३२ और मरकुस
४:३०-३२ | 2

आँखों से देख सकते हैं। दृश्यमान कलीसिया में कुछ लोग बचाए गए हैं, लेकिन, बहुत से नहीं बचाए गए हैं। हालाँकि, अदृश्य सार्वभौमिक कलीसिया, मसीह की दुल्हन (यूहन्ना ३:२९; दूसरा कुरिन्थियों ११:२-३; इफिसियों ५:२५-२७; प्रकाशितवाक्य १९:७-८ और २१:९-१०), से बना है सच्चे विश्वासी, या मसीहा का शरीर (प्रथम कुरिन्थियों १०:१५-१७ और १२:२७; इफिसियों ४:१६; कुलुस्सियों १:१८), जैसा कि हम उसमें रखे गए हैं (Bw देखें – परमेश्वर इस समय हमारे लिए क्या करता है विश्वास की)।

फिर उस ने उन से एक और दृष्टान्त कहा, हम क्या कहें कि परमेश्वर का राज्य कैसा है, या उसका वर्णन करने के लिये किस दृष्टान्त का प्रयोग करें? यह राई के बीज के समान है, जिसे किसी मनुष्य ने लेकर अपने खेत में बोया (मत्ती १३:३१अ; मरकुस ४:३०-३१ए)। यह पौधा यहूदियों के लिए बहुत परिचित रहा होगा।

वह सबसे छोटा बीज कौन सा है जिसे आप जमीन में
बोते हैं (मैथ्यू १३:३१बी; मरकुस ४:३१)। सरसों का बीज वास्तव में ज्ञात सभी बगीचे के बीजों में सबसे छोटा था। वैज्ञानिक रूप से हम जानते हैं कि छोटे बीज थे; हालाँकि, सरसों का बीज सबसे छोटा बीज था जिससे येशुआ के दर्शक परिचित थे। काली सरसों का बीज अनाज के बीज, अंगूर के बीज या खीरे के बीज से छोटा होता है। वास्तव में, यह इस वाक्य के अंत में मौजूद अवधि से छोटा है। बगीचे के सभी बीजों में से, यह सबसे छोटा है, जिसमें सबसे अधिक विकास क्षमता है। सरसों का बीज आम तौर पर छह से आठ फीट की ऊंचाई तक पहुंचता है, लेकिन यह दस से बारह फीट तक पहुंचने के लिए जाना जाता है, और पीले फूलों के साथ खिलता है। यह एक जड़ी-बूटी है, कोई झाड़ी या पेड़ नहीं। बीजों का उपयोग मांस या सब्जियों का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता था और ये पक्षियों का पसंदीदा भोजन थे। लिनेट और फ़िंच जैसे पक्षी सरसों के पौधे में अपना घोंसला नहीं बनाते, बल्कि कुछ समय के लिए उस पर बस जाते हैं या आराम करते हैं।

ईसा मसीह के समय में, सरसों का बीज एक लौकिक कहावत थी जो कुछ छोटी चीज़ों को दर्शाती थी (मिश्ना टोबोरोथ ८.८; निदाह५.२; ब्राखोट ३१ए और लैव्यिकस रब्बा ३१:९)। इसका उपयोग रब्बियों द्वारा सबसे छोटी मात्रा को इंगित करने के लिए किया जाता था, जैसे कि रक्त की सबसे कम बूंद, सबसे कम अपवित्रता, या आकाश में धूप के सबसे छोटे अवशेष। बाद में, जब टैल्मिडिम एक आदमी से राक्षस को बाहर नहीं निकाल सका, तो उन्होंने पूछा: हम इसे बाहर क्यों नहीं निकाल सके? येशुआ ने उत्तर दिया: क्योंकि

Ew – सरसों के बीज का दृष्टान्त मत्ती १३:३१-३२ और मरकुस
४:३०-३२ | 3

तुम्हारा विश्वास बहुत कम है। मैं तुम से सच कहता हूं, यदि तुम में राई के दाने के बराबर भी विश्वास हो, तो तुम इस पहाड़ से कह सकते हो, “यहाँ से वहाँ चला जा, और वह चला जाएगा, तेरे लिए कुछ भी असम्भव न होगा” (मत्ती १७:२०)।

फिर भी जब रोपा जाता है, तो यह बढ़ता है और सभी बगीचे के पौधों में सबसे बड़ा हो जाता है और जबकि सरसों का पौधा हमेशा छोटा होता है, यहाँ यह असामान्य रूप से बढ़ता है और एक पेड़ बन जाता है (मैथ्यू १३:३२ए; मरकुस ४:३२ए)। यीशु के श्रोता उस बड़े पेड़ की उपमा जानते थे जिसकी चौड़ी फैली हुई शाखाएँ पक्षियों के लिए आश्रय प्रदान करती थीं, यह यहूदी धर्मग्रंथों में एक शक्तिशाली राज्य के लिए एक परिचित व्यक्ति था जिसने सभी राष्ट्रों को आश्रय दिया था (यहेजकेल ३१:६ और दानिय्येल ४ :१२). यहां जोर दृश्यमान कलीसिया की महानता पर है, जबकि इसकी विनम्र शुरुआत से इसकी तुलना की जाती है। पूर्वी मानसिकता में इस दृष्टांत को प्रगति के विपरीत, विरोधाभास दिखाने के रूप में देखा जाएगा। तो, हमारे उद्धारकर्ता ने सिखाया कि सरसों के बीज की असामान्य वृद्धि होगी, इस प्रकार दृश्यमान चर्च की असामान्य वृद्धि कई महान संगठनों, बड़े कलीसिया और बड़े कार्यक्रमों में होगी, जो सभी मानव ऊर्जा द्वारा उत्पादित होंगे न कि रुआच हा’कोडेश द्वारा .

यह इतना असामान्य रूप से बड़ा हो जाता है, इतनी बड़ी शाखाओं के साथ कि आकाश के पक्षी आते हैं और छाया के लिए इसकी शाखाओं पर बैठते हैं (मत्तीयाहू १३:३२बी)। इसमें असामान्य बाहरी वृद्धि होगी जब तक कि यह एक राक्षसी स्थान और पक्षियों के लिए आरामगाह न बन जाए। जिस बीज से यह विशाल सरसों का पौधा बनता है वह दृश्यमान कलीसिया का चित्र है। यीशु ने कहा कि मिट्टी के दृष्टांत को समझना अन्य सभी दृष्टान्तों को समझने की कुंजी है। इसलिए, उन पक्षियों की तरह जिन्होंने उस पहले दृष्टांत में खोए हुए लोगों के दिलों में बोए जाने से पहले सुसमाचार के बीज को छीन लिया था, यहाँ, पक्षी शत्रु के एजेंटों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये पक्षी उन अविश्वासियों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो ईश्वर की सभाओं, विभिन्न छद्म-ईसाई आंदोलनों, विभिन्न पंथों और सच्चे चर्च के अन्य भ्रष्टाचारों में बैठते हैं।

हम नौ दृष्टांतों को देखने जा रहे हैं जो विचार के बुनियादी प्रवाह को विकसित करते हैं: (१) मिट्टी का दृष्टांत (Et) सिखाता है कि पूरे चर्च युग में सुसमाचार के बिखरने पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएँ होंगी। (२) बीज के अपने आप बढ़ने का दृष्टांत (Eu) सिखाता है कि सुसमाचार के बीज में एक आंतरिक ऊर्जा होगी जिससे वह अपने आप जीवन में आ जाएगा। (३) गेहूं और जंगली घास का दृष्टांत (Ev) सिखाता है कि सच्चे रोपण की नकल झूठे प्रति-रोपण द्वारा की जाएगी। (४) सरसों के बीज का दृष्टांत (Ew) सिखाता है कि दृश्यमान कलीसिया असामान्य बाहरी विकास ग्रहण करेगा।